पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)
———————

राज्यपाल से भारतीय प्रशासनिक सेवा 2021 तथा भारतीय वन सेवा 2018–19 बैच के 24 परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने की शिष्टाचार भेंट

———————

अधिकारी अपनी जिम्मेदारी समझें और सेवा भाव से जनता की सेवा करें

———————

अधिकारी अपने विभाग के दायरे से बाहर निकलें और अन्य विभागों से तालमेल कर लोक कल्याण के कार्यों में अपना योगदान दें

———————

अधिकारियों को सकारात्मक सोच, सजृनात्मक तथा मानवता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है

———————

कोई भी फरियादी आपके पास से निराश होकर न जाये

———————

अधिकारी आंगनबाडी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न बनायें
–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———————

लखनऊः 2 नवम्बर, 2022

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से आज राजभवन में भारतीय प्रशासनिक सेवा 2021 तथा भारतीय वन सेवा 2018–19 बैच के 24 परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर परिवीक्षाधीन अधिकारियों को सम्बोधित करते हुये राज्यपाल जी ने कहा कि आज आप अपना व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने–अपने तैनाती क्षेत्र में जा रहे हैं। सरकार तथा आम आदमी की आपसे बहुत अपेक्षायें हैं, आपका दायित्व है कि आप अपनी जिम्मेदारी को समझें और सेवा भाव से कार्य करें। उन्होंने कहा कि आपका प्रयास होना चाहिये कि अपने विभाग के दायरे से बाहर निकलकर अन्य विभागों से तालमेल बनाकर जनहित के कार्यों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, साथ

ही इस बात का विशेष ख्याल रखें कि कोई भी फरियादी आपके पास से निराश होकर न जाये।

राज्यपाल जी ने कहा कि तैनाती के दौरान सभी नवोदित अधिकारियों का यह प्रयास होना चाहिए कि दूरस्थ इलाकों/वनों आदि क्षेत्रों में निवास कर रहे परिवारों के बच्चों को समुचित शिक्षा प्राप्त हो और वहां पर आवागमन में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि यह तभी संभव हो सकता है जब आपके अन्दर एक सकारात्मक सोच, सजृनात्मकता तथा मानवता हो, तभी आप लोगों के दिलों में अपना स्थान बना पायेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी फरियादी की समस्या को दूर करने के लिए आप को स्वयं उस समस्या को महसूस करना होगा, तभी आप पीड़ित व्यक्ति को राहत दे पायेंगे।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अधिकारियों से अपने कार्य क्षेत्र के बाहर निकलकर अन्य विभागों से समन्वय बनाकर जनहित के कार्यों को त्वरित रूप से निष्पादित करने की अपील करते हुए कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के 100 साल पूरा होने पर हमारा देश कैसा हो, इसकी जिम्मेदारी आपके ऊपर है। इस देश को पूरी दुनिया में श्रेष्ठतम बनाने का सुअवसर आपको प्राप्त हुआ है। इसलिए इस स्वर्णिम अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए पूर्ण निष्ठा, लगन और परिश्रम के साथ देश को विकास की बुलंदियों पर ले जाने के लिए आपको अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को नवीनतम जानकारियों से अद्यतन रहने का आह्वान करते हुए कहा कि जब आप केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित जन कल्याण संबंधी सभी योजनाओं के बारे में पूर्ण रूप से अद्यतन होंगे तभी आप लोगों को उन योजनाओं से लाभान्वित कर पायेंगे। आपका दायित्व है कि इन योजनाओं की पूरी जानकारी जन–जन तक पहुंचे।

राज्यपाल जी ने कहा कि आप सभी का यह दायित्व है कि अपने जनपदों में स्थित जेलों का भ्रमण कर, वहां बंदियों से मिलकर उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनने के पश्चात निराकरण करने का पूरा प्रयास करें। उन्होंने अधिकारियों से दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराई पर भी अंकुश लगाने का सुझाव दिया।

राज्यपाल जी ने कहा कि सभी अधिकारियों का दायित्व है कि वे अपने क्षेत्र के विश्वविद्यालय तथा शिक्षण संस्थाओं का भ्रमण कर वहां की समस्याओं के निस्तारण में

सहयोग करें तथा ग्रामीण क्षेत्रों में फैल रही बीमारियों जैसे सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, मधुमेह, रक्तचाप आदि घातक बीमारियों के संबंध में जागरूकता के साथ–साथ जांच के लिए शिविर लगाकर उपचार में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न बनाये, देश को टी0बी0 मुक्त बनाने हेतु क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद लेने की सलाह दी, इससे आपको संतुष्टि मिलेगी।

इस अवसर पर प्रशिक्षु अधिकारियों ने परिवीक्षा अवधि में किये गये कार्यों तथा उनसे प्राप्त अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक श्री देवेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव राज्यपाल श्रीमती कल्पना अवस्थी, उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी, लखनऊ के महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू सहित प्रशिक्षु अधिकारी मौजूद थे।

———————

चन्द्र विजय वर्मा–सूचना अधिकारी/राजभवन
सम्पर्क सूत्र–9044381834